**महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र**

**डी.सी.डब्ल्यू.एच.**

**हिंदी में सृजनात्मक लेखन में डिप्लोमा**

# हिंदी में सृजनात्मक लेखन में डिप्लोमा के सत्रीय कार्य

**2011—12**

| | | |
|---|---|---|
| डी.सी.डब्ल्यू.एच. -1 | : | सृजनात्मक लेखन में डिप्लोमा |
| डी.सी.डब्ल्यू.एच. -2 | : | फीचर लेखन |
| डी.सी.डब्ल्यू.एच. -3 | : | गद्य साहित्य लेखन |
| डी.सी.डब्ल्यू.एच. -4 | : | रेडियो के लिए लेखन |
| डी.सी.डब्ल्यू.एच. -5 | : | विभिन्न सामाजिक वर्ग और लेखन |
| डी.सी.डब्ल्यू.एच. -6 | : | कविता लेखन |

ज्ञान शांति मैत्री

## महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित)

**निदेशक, महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केन्द्र**
**पोस्ट - हिन्दी विश्वविद्यालय, गांधी हिल, उमरी, वर्धा - 442005 (महाराष्ट्र)**
**फोन/फैक्स नं. : 07152-247146**
वेब साईटः **www.hindivishwa.org**

## सत्रीय कार्य 2011-12

(Assignment 2011-12)

पाठ्यक्रम कोड : डी.सी.डब्ल्यू.एच.

प्रिय छात्र/छात्राओं

आपको प्रत्येक पत्र के लिए सत्रीय कार्य करना हैं। आपको प्रत्येक का उत्तर भेजी गई अध्ययन सामग्री के आधार पर ही देना है। कहीं-कहीं आपको अतिरिक्त पाठ्यसामग्री की सहायता लेनी पड़ सकती है। आप चाहें तो कार्यक्रम संयोजक की मदद पत्राचार, ई-मेल, दूरभाष माध्यम से ले सकते हैं।

सत्रीय कार्य शुरू करने से पूर्व आप निम्नलिखित बातों का ध्यान रखिए। यह आपके लिए उपयोगी होगा।

1. **योजना :** सत्रीय कार्यो को ध्यानपूर्वक पढ़िए। इनसे सम्बद्ध इकाईयों का दोबारा अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए प्रमुख मुद्दों को एक कागज पर नोट कीजिए। उसके बाद उन्हें क्रम दीजिए।
2. **संगठन :** अपने उत्तर की मोटी रूपरेखा बनाने से पहले अपना ध्यान कुछ मुद्दों पर केंद्रित कीजिए। और उनका ध्यान रहे आपका उत्तर :

क) तर्कसंगत और प्रवाहपूर्ण हो,

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध हो,

ग) आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति स्पष्ट और सटीक हो।

3. **प्रस्तुति :** अपने उत्तर से संतुष्ट होने पर इसका अंतिम प्रारूप तैयार कीजिए। उत्तर साफ-साफ A4 कागज पर लिखिए और जिन मुद्दो पर बल देना चाहते है उन्हें रेखांकित कीजिए। सत्रीय कार्य की एक छायाप्रति अपने पास अनिवार्य रूप से रखें।

**निर्देश :** सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1. अपनी उत्तर-पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
2. अपनी उत्तर-पुस्तिकाओं की बायी और पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड और उस अध्ययन केंद्र (यदि लागू हों) का नाम/कोड लिखिए, जिससे आप संबद्ध है।

उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

---------------------------------------------------------------------------------------------------

अनुक्रमांक : ------------------------------------------

नाम : -----------------------------------------------------

पता : -----------------------------------------------------

-----------------------------------------------------

-----------------------------------------------------

दिनांक : ------------------

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ----------------------------

सत्रीय कार्य कोड : ---------------------------------

अध्ययन केंद्र का नाम/कोड (यदि लागू हो) : ------------------------------------

---------------------------------------------------------------------------------------------------

3. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप (A4) के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।

4. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।

5. अपनी लिखावट में उत्तर दें।

**प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें :**

1. प्रश्नों में जो पूछा गया है, उसको अच्छी तरह समझ कर उत्तर लिखें। जो नहीं पूछा गया है, उसे न लिखें। जितना पूछा गया है, उतना ही लिखें। आपका उत्तर सुसंगत, सुबोधगम्य और स्पष्ट हो।

3. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की प्रति अवश्य रखें।

शुभकामनाओं के साथ!

अमरेन्द्र कुमार शर्मा
(पाठ्यक्रम संयोजक)

<u>सत्रीय कार्य भेजने का पता :</u>

**निदेशक, महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केन्द्र,**
**पोस्ट - हिन्दी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा - 442005**
**महाराष्ट्र (फोन/फैक्स नं. : 07152-247146,**
**सत्रीय कार्य की अंतिम तिथि.30 अप्रैल 2012**

## हिन्दी में सृजनात्मक लेखन में डिप्लोमा

## सृजनात्मक लेखन के सिद्धान्त

पाठ्यक्रम कोड - डीसीडब्ल्यूएच. 1
सत्रीय कार्य कोड - डीसीडब्ल्यूएच-1/2011-12
**कुल अंक - 100**

**किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अंतिम प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दें।**

1. सृजनात्मक लेखन के अनिवार्य घटकों का विश्लेषण करें।

2. सृजनात्मक लेखन में लेखकीय व्यक्तित्व का क्या महत्व होता है, विवेचन कीजिए।

3. लेखन की प्रमाणिकता सृजनात्मक लेखन के लिए अनिवार्य है। पक्ष-विपक्ष में उत्तर दें।

4. सृजनात्मक-लेखन में नाट्य साहित्य की भूमिका का विश्लेषण करें।

5. मुक्तक-काव्य की परंपरा का परिचय दें।

6. सृजनात्मक लेखन में भाषा-शैली के महत्व को समझाएँ

**7. टिप्पणी लिखें**

(क) संप्रेषणीयता

(ख) कल्पना और यथार्थ

## हिन्दी में सृजनात्मक लेखन में डिप्लोमा

## फीचर लेखन

पाठ्यक्रम कोड - डीसीडब्ल्यूएच. 2
सत्रीय कार्य कोड - डीसीडब्ल्यूएच-2/2011-12

**कुल अंक - 100**

**किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अंतिम प्रश्न अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के उत्तर 600 शब्दों में दें।**

1. फीचर लेखन की विशिष्टताओं का विश्लेषण करें।

2. किसी सांस्कृतिक विषय पर संक्षिप्त फीचर लिखकर उसका विश्लेषण करें।

3. यात्रा लेखन के इतिहास का परिचय दीजिए।

4. रिपोर्ताज़ में प्रमाणिकता की आवश्यकता पर अपने विचार प्रस्तुत करें।

5. सृजनात्मक लेखन में साक्षात्कार के महत्व और साक्षात्कार की पद्धति का उल्लेख करें।

6. सृजनात्मक-लेखन में समीक्षक की भूमिका का विश्लेषण करें।

**7. टिप्पणी लिखें :-**

(क) व्यक्ति चित्र

(ख) विषय-चयन की महत्ता

## हिन्दी में सृजनात्मक लेखन में डिप्लोमा

## गद्य साहित्य लेखन

पाठ्यक्रम कोड - डीसीडब्ल्यूएच. 3
सत्रीय कार्य कोड - डीसीडब्ल्यूएच-3/2011-12

**कुल अंक - 100**

**किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अंतिम प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दें।**

1. कहानी लेखन के आधारभूत नियमों का विश्लेषण करें।
2. कहानी के संप्रेषण के लिए भाषा और शैली की महत्ता पर प्रकाश डालें।
3. नाट्य-लेखन के रंगमंचीय आयाम पर प्रकाश डालें।
4. एकांकी विद्या का परिचय देते हुए गद्य साहित्य में उसके महत्व का उल्लेख करें।
5. वर्तमान समय में बाल नाटक के परिदृश्य और उसकी अनिवार्यता का वर्णन करें।
6. व्यंग्य निबन्ध की भाषा की विशिष्टताओं का उल्लेख करें।

**7. टिप्पणी लिखें**

(क) रेखाचित्र

(ख) जासूसी कहानियाँ

## हिन्दी में सृजनात्मक लेखन में डिप्लोमा

## रेडियो के लिए लेखन

पाठ्यक्रम कोड - डीसीडब्ल्यूएच. 4
सत्रीय कार्य कोड - डीसीडब्ल्यूएच-4/2011-12

**कुल अंक - 100**

**किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अंतिम प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दें।**

1. संचार माध्यमों में इलेक्ट्रानिक माध्यमों के महत्व का विश्लेषण करें।

2. इक्कीसवीं सदी में रेड़ियों की उपयोगिता का उल्लेख करें।

3. स्क्रिप्ट लेखन की विभिन्न पद्धतियों का विश्लेषण करें।

4. रेडियो रूपक क्या है। किसी रेडियो रूपक का उल्लेख करते हुए उसका विश्लेषण करें।

5. महिलाओं के लिए रेडियो लेखन के विषय-वस्तु का विश्लेषण करें।

6. शिक्षा के विकास में रेडियो की भूमिका का विश्लेषण करें।

**7. टिप्पणी लिखें**

(क) रेडियो विज्ञापन

(ख) वार्ता

## हिन्दी में सृजनात्मक लेखन में डिप्लोमा

## विभिन्न सामाजिक वर्ग और लेखन

पाठ्यक्रम कोड - डीसीडब्ल्यूएच. 5
सत्रीय कार्य कोड - डीसीडब्ल्यूएच-5/2011-12
**कुल अंक - 100**

**किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अंतिम प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दें।**

1. बाल-शिक्षा में बाल साहित्य के विषय-वस्तु के निर्धारण में अपनायी जाने वाली सावधानियों का विश्लेषण करें।

2. बाल-शिक्षा के लिए चित्र कथाओं के महत्व को निरूपित करें।

3. किशोर साहित्य में किशोरों के लिए लिखे जाने वाले काव्य के स्वरूप का विश्लेषण करें।

4. महिलाओं के लिए लिखे जाने वाले साहित्य के मुद्दे का विश्लेषण करें।

5. भारत की ग्रामीण समस्या के संदर्भ में ग्रामीणों के लिए लेखन की आवश्यकता का उल्लेख करें।

6. ग्रामीणों के लिए लेखन में प्रयुक्त होने वाली भाषा-शैली और उसकी संप्रेषणीयता पर प्रकाश डालें।

**7. टिप्पणी लिखें**

(क) बाल कविता

(ख) स्त्री-विमर्श

## हिन्दी में सृजनात्मक लेखन में डिप्लोमा

## कविता लेखन

पाठ्यक्रम कोड - डीसीडब्ल्यूएच. 6
सत्रीय कार्य कोड - डीसीडब्ल्यूएच-6/2011-12

**कुल अंक - 100**

**किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अंतिम प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 600 शब्दों में दें।**

1. कविता की रचना-प्रक्रिया का विश्लेषण करें
2. कविता में बिंब और प्रतीक के महत्व पर प्रकाश डालें।
3. प्रकृतिपरक कविताओं के स्वरूप का उदाहरण सहित विश्लेषण करें।
4. 'लंबी कविता' की परंपरा का उल्लेख करें और उसके संप्रेषण के महत्व पर टिप्पणी करें।
5. मुक्तक क्या है। साहित्य में मुक्तक की क्या भूमिका है।
6. काव्य-भाषा की विशिष्टताओं का विश्लेषण करें।

**7. टिप्पणी लिखें**

(क) गीत

(ख) मिथक